an>

Title: Need for a National Programme to prevent Japanese Encephalities in the country.

**श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) :** उपाध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने जे.ई. और ए.ई.एस. के बचाव व नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम पर बोलने का मुझे अवसर दिया।

माननीय उपाध्यक्ष जी, दिमागी बुखार से प्रभावित पाँच राज्यों - असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु के 60 जिलों के लिए केन्द्र सरकार ने जापानी एनसिफलाइटिस व एक्यूट एनसिफलाइटिस सिंड्रोम से बचाव व नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए मंज़ूरी दी थी। इस कार्यक्रम के अनुसार त्वरित उपचार हेतु बच्चों के आई.सी.यू. खोले जाने थे, परंतु समीक्षा बैठक से जो जानकारी हुई है, उसके अनुसार पाँच राज्यों - असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु, जहाँ ये आई.सी.यू. खोले जाने थे, केवल तमिलनाडु को छोड़कर कहीं भी काम पूरा नहीं हुआ है। असम की स्थिति सबसे खराब है। समीक्षा बैठक से यह भी जानकारी हुई है कि बिहार में केवल दस फीसदी काम हुआ है। वहीं उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में 10 बिस्तर वाले जो आई.सी.यू. बनाए जाने थे, उसमें केवल 8 जगह पर यह काम शुरू हुआ है। प्रभावित इलाकों में शीघ्र चिकित्सा हेतु आई.सी.यू. बेहद उपयोगी होते हैं। दिमागी बुखार से होने वाली मौतें भी इन राज्यों की सुस्ती नहीं तोड़ पा रही हैं। केन्द्र सरकार द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में बचाव व इलाज के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध होने के बावजूद कई राज्यों की सरकारें बेहद संवेदनहीनता से काम कर रही हैं। खासकर उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा इससे प्रभावित है, बिहार का हिस्सा प्रभावित है, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार की स्थिति सबसे खराब है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।...(व्यवधान)